Subject :- Sociology Date :- 23/05/2020
Class :- D-II (H) Paper :- 4th
Topic :- सामाजिक अनुसंधान एवं सामाजिक सर्वेक्षण की विशेषता
By :- Dr. Shyamanand Choudhary
Guest Teacher Marwari college, Darbhanga
Online Study Material No :- (86)

## सामाजिक अनुसंधान की विशेषता

सामाजिक अनुसंधान या सामाजिक शोध की निम्नलिखित विशेषताएँ है :-

1. सामाजिक अनुसंधान का सम्बन्ध वैज्ञानिक विधियों के प्रयोग द्वारा सामाजिक प्रघटनाओं के सुक्ष्म रुप से अध्ययन से है।
2. सामाजिक अनुसंधान अपने को विभिन्न वैज्ञानिक उपकरणों, प्रविधियों एवं पद्धतियों के प्रयोग तक ही सीमित नही रखता बल्कि नवीन प्रविधियों के विकास पर भी जोर देता है।
3. सामाजिक अनुसंधान में विभिन्न सामाजिक घटनाओं तथा समस्याओं का वैज्ञानिक या व्यवस्थित अध्ययन ही नही किया जाता बल्कि नवीन ज्ञान का सृजन भी किया जाता है।
4. सामाजिक अनुसंधान विभिन्न सामाजिक तथ्यों या घटनाओं के बीचपाए जाने वाले कार्य-कारण सम्बन्धों की खोज निकालना है। इसका कारण यह है कि सामाजिक घटनाएँ एक-दूसरे से स्वतंत्र नही होकर एक-दूसरे से सम्बन्धित होती है। उदाहरणार्थ - गन्दी बस्तियों और बाल अपराध के बीच परस्पर कार्य-कारण का सम्बन्ध हो सकता है।
5. सामाजिक अनुसंधान में जहाँ नये तथ्यों की खोज की जाती है, वही पुराने तथ्यों या पूर्व-स्थापित सिद्धान्तों की पुनर्परीक्षा एवं सत्यापन का कार्य भी सम्पन्न किया जाता है।
6. सामाजिक अनुसंधान एक ऐसी विधि है जिसमें प्राकल्पना की उपयुक्तता की जाँच अथवा परीक्षण किया जाता है।
7. मूलतः सामाजिक अनुसंधान अध्ययन से प्राप्त निष्कर्षों को सिद्धान्तों के रुप में प्रयुक्त करने का एक वैज्ञानिक तरीका है अर्थात् इसके अन्तर्गत नए सिद्धान्तों का निर्माण किया जाता है।
8. सामाजिक अनुसंधान जहाँ विशुद्ध ज्ञान की खोज पर जोर देता है, वहाँ साथ ही इसका प्रयोग व्यावहारिक समस्याओं को हल करने के लिए भी किया जा सकता है। कहने का तात्पर्य यह है कि सैद्धान्तिक और व्यावहारिक दोनो ही प्रकार की समस्याओं के हल के लिए सामाजिक अनुसंधान किया जा सकता है।

## सामाजिक सर्वेक्षण की विशेषता

1. सामाजिक घटनाओं एवं समस्याओं का अध्ययन → सामाजिक सर्वेक्षण के अन्तर्गत एक समूह अथवा समुदाय में पायी जाने वाली सामाजिक घटनाओं, जीवन दशाओं, लोगों की समस्याओं, उनके कारणों आदि का अध्ययन किया जाता है।

Scanned with CamScanner

2. एक निश्चित भौगोलिक क्षेत्र → सामाजिक सर्वेक्षण एक निश्चित भौगोलिक क्षेत्र तक सीमित हो ताकि अनुसंधानकर्ता क्षेत्र में आकर उनसे सम्बन्धित तथ्यों का संकलन कर सके। यह निश्चित भौगोलिक क्षेत्र कोई गाँव, नगर, कस्बा, वार्ड अथवा समुदाय हो सकता है।

3. समस्याओं का अध्ययन एवं उपचार → सामाजिक सर्वेक्षण में केवल सामाजिक समस्याओं का अध्ययन ही नहीं किया जाता, वरन् उनके कारणों को भी खोजा जाता है जिससे कि उन्हे हल करने एवं सुधार योजनाएँ बनाने में मार्गदर्शन एवं सहायता प्राप्त हो।

4. वैज्ञानिक पद्धति का प्रयोग → सामाजिक सर्वेक्षण में एक क्षेत्र में निवास करने वाले लोगों का अध्ययन वैज्ञानिक विधियों द्वारा किया जाता है। सामाजिक सर्वेक्षण के अन्तर्गत घटनाओं के बारे में कार्य-कारण सम्बन्धों को ज्ञात किया जाता है तथा प्राप्त होने वाले निष्कर्षों के आधार पर सामान्यीकरण किया जाता है। सर्वेक्षण द्वारा प्राप्त तथ्यों की सत्यता की परख भी की जा सकती है।

5. सहकारी प्रक्रिया → कुछ वैज्ञानिकों ने सामाजिक सर्वेक्षण को एक सहकारी प्रक्रिया माना है। एक छोटी और लघु क्षेत्र में सीमित समस्या का अध्ययन तो एक अकेला व्यक्ति भी कर सकता है, परन्तु जब बड़े पैमाने पर समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त करनी हो तो उसके लिए एक अध्ययन दल बनाना होता है और इसमें विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ मिलकर ही सामूहिक रूप से समस्या का अध्ययन करते हैं। इसलिए सर्वेक्षण को एक सहकारी प्रक्रिया माना गया है।

6. परिमाणात्मक पक्ष → सामाजिक सर्वेक्षणों के द्वारा संकलित किये गये तथ्यों को परिमाणात्मक रूप में प्रकट किया जाता है। यही कारण है कि वर्तमान में सामाजिक अनुसंधानों में सांख्यिकीय विधियों एवं सांख्यिकी का प्रयोग दिनो-दिन बढ़ता ही जा रहा है।

S. N. Choudhary
Marwari college
L. N. M. U

Scanned with CamScanner